Search … Search

विज्ञापन

हेल्थ (http://www.samnaactivist.com/category/health-2/)

बचपन से पड़ रहे थे मिर्गी के दौरे, इस हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने की जिन्दगी आसान

12 hours ago Admin (http://www.samnaactivist.com/author/admin/)

Share This News

लखनऊ: वर्ल्ड एपिलेप्सी डे के ठीक पहले मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के डॉक्टरों की टीम ने एक 19 वर्षीया किशोरी को मिर्गी के दौरों से निजात दिला दी. मिर्गी से पीड़ित किशोरी का सफल ऑपरेशन करने वाले मेदांता में इंस्टिट्यूट ऑफ़ न्यूरो साइंसेज में एसोसिएट डायरेक्टर न्यूरो सर्जरी, डॉ रवि शंकर ने बताया कि मरीज़ बचपन से ही मिर्गी से पीड़ित थी.

अक्सर पड़ने वाले मिर्गी के दौरों का प्रभाव उसके शरीर और मन, मस्तिष्क पर बहुत नकरात्मक पड़ा था. उसे दवाइयों के सहारे अपना जीवन व्यतीत करना पड़ रहा था. वह बार-बार बेहोश होने और गिरने की परेशानी से जूझ रही थी. इसके चलते किसी न किसी परिजन को उसकी निगरानी करनी पडती थी. यह मरीज और परिवार दोनों के लिए बहुत कष्टकारी दौर रहा.

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि मिर्गी के मरीज के परिजन अज्ञानता की वजह से मिर्गी से जुडी भ्रांतियों पर आँख मूँद कर विश्वास कर लेते हैं और सही इलाज न करा कई बार बाबाओं और तांत्रिकों के चक्कर में फंस जाते हैं. ऐसे में मरीज न केवल शारीरिक और मानसिक यंत्रणा से गुजरता है बल्कि कई बार वह समाज से पूर्णतया अलग-थलग पड़ जाता है.

मेदांता लखनऊ के इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूरोसइनेस के न्यूरोलॉजी डायरेक्टर, डॉ अनूप कुमार ठक्कर ने कहा कि दुनिया भर में मिर्गी के जितने मरीज हैं उनमें से करीब 16 फीसदी मरीज अकेले भारत में हैं. दुनिया भर में मिर्गी के मरीजों की संख्या लगभग सात करोड़ हैं और उनमें से तकरीबन सवा करोड़ अकेले भारत में हैं.

दुनिया में मिर्गी के सात करोड़ मरीज, लगभग सवा करोड़ अकेले भारत में

इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद सही जानकारी न होने के चलते मिर्गी के ज्यादार मरीजों को सही उपचार नहीं मिल पाता. 90 फीसदी मिर्गी के मर्रेजों का इलाज सही दवाइयों से हो जाता है लेकिन 10 फीसदी मरीजों को सर्जरी की आवश्यकता पड़ती है. सर्जरी के लिए भी काफी उन्नत किस्म की विशेषज्ञता और उपकरणों की आवश्यकता पडती है.

सर्जरी के बाद मरीज को दवाइयां लेने की जरूरत ना के बराबर या बिलकुल भी नहीं रह जाती. मेदांता लखनऊ के इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूरोसइनेस के सीनियर कंसलटेंट डॉ ऋत्विज बिहारी ने कहा कि जब मरीज को दौरा पड़ रहा हो तो उसके हाथ-पैर को पकड़ने की कोशिश बिलकुल न करें क्योंकि दौरे के समय लगने वाले झटके बहुत शक्तिशाली होते हैं.

अंश पाण्डेय सहित लखनऊ के चार यूपी की माउंटेन बाईक साइकिलिंग टीम में (http://www.samnaactivist.com/ansh-pandey-and-four-mountain-bike-cycling-teams-of-up-in-lucknow/)

ऐसे में हाथ-पैर पकड़ कर झटके रोकने की कोशिश में मरीज़ को चोट लग सकती है. दौरे के समय मरीज़ को करवट के बल लिटा दें, इससे मुंह में जो झाग बन रहा है वो सीधे बाहर गिरेगा और सांस की नाली जा कर खतरा नहीं पैदा करने पाएगा. दौरे के समय मरीज अपना जबड़ा भींं चबाने लगता है, इसलिए कोई सुरक्षित चीज उसके दांतों के बीच रख दें ताकि मरीज़ अपनी जुबान को क्षति न पहुंचाने पाए.

भूलकर भी मरीज को जूते, चप्पल सूंघने जैसे उपाय न करें. दौरे के समय मरीज कुछ भी निगलने की स्थिति में नहीं होता, इसलिए ज़बरदस्ती उसके मुंह में दवा या पानी डालने की ज़बरदस्ती न करें. दौरा रुकते ही मरीज को फौरान डॉक्टर के पास ले जाएं. डॉ रवि शंकर ने बताया कि पुरे देश में कुछ ही चिकित्सा संस्थानो में ये सुविधा उपलब्ध हैं. इनमे से एक मेदांता लखनऊ है.

Share This News

Recent Posts

नेल्स जिम ने जीती ओवरआल चैंपियनशिप ट्राफी, ये रहे रिजल्ट (http://www.samnaactivist.com/nails-gym-won-the-overall-championship-trophy-here-are-the-results/)

क्रिकेट कोचिंग सेमिनार का हुआ समापन, आयोजन का ये था मकसद (http://www.samnaactivist.com/cricket-coaching-seminar-concludes-this-was-the-purpose-of-organizing/)

वर्ष 2000 में अजहरुद्दीन के करियर पर लगा था सट्टेबाज़ी का दाग (http://www.samnaactivist.com/in-2000-azharuddins-career-was-betting-on-speculation/)

25वीं अखिल भारतीय डाक कैरम प्रतियोगिता में होंगे 425 मैच (http://www.samnaactivist.com/25th-all-india-post-carrom-competition-from-9th-february/)

बचपन से पड़ रहे थे मिर्गी के दौरे, इस हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने की जिन्दगी आसान (http://www.samnaactivist.com/world-epilepsy-day-medanta-hospital-lucknow-